{ GABBARD ON VOTING SYSTEMS } ht

EC defends EVMs as US intel chief flags 'vulnerabilities'

Abhishek Angad

letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Election Commission of India said on Friday that the Electronic Voting Machines (EVMs) used in India are "simple, correct and accurate calculators", responding to concerns raised by US Director of Intelligence Tulsi Gabbard over the "vulnerability" of electronic voting systems (EVS) in the United States to "hacking".

During a Cabinet meeting convened by US President Donald Trump on April 10, Gabbard said that the Intelligence department has "evidence" that EVS are susceptible to the exploitation to manipulate the results" of votes cast and advocated for paper ballot-based elections. To be sure, she was commenting about the machines used in the US and not specifically referring to the EVMs used in India.

ECI said on Friday that in India EVMs have stood legal scrutiny. An ECI official who asked not to be named explained the difference between EVS and EVMs: "EVS are a mix of multiple systems, machines and processes including various private networks including the Internet etc. India uses EVMs...[which] cannot be connected to either Internet, Wi-Fi or Infrared. These machines have stood legal scrutiny by the Supreme Court of India and are invariably checked by the political parties at various stages. More than 50 million voter verifiable paper audit trail slips have been verified while counting in front of political parties." "Evaluation of ECI-EVM design at its formulation stage as well as pilot stages are done by testing for worst case considerations, and performance measured on established statistical principles. Hence, EVM design as well as voting through EVM is reliable," it added.

Tulsi Gabbard

EVMs are designed with two units, the control unit and the ballot unit, and the two are joined by a cable.

ECI has explained in the past that the control unit of the EVM is kept with the presiding officer, while the ballot unit is kept within the voting compartment for electors to cast their votes.

"Indian EVMs are robust and implement technologies and processes which are different and non-comparable. The Supreme Court of India and various High Courts have time and again scrutinised the machines and have reposed their confidence and faith in ECI-EVMs," ECI said.

Indian EVMs tamper-proof: EC after Tulsi's paper ballot call

New Delhi: After US director of national intelligence **Tulsi Gabbard** said electronic voting systems are vulnerable to hacking allowing manipulation of results and called for a

return to paper ballots, sources in EC clarified EVMs used in India are distinct from electronic voting systems employed in some countries, in that the ones here are like accurate calculators with nil connectivity to the internet, WiFi or infrared, and thus, tamper-proof, reports **Bharti Jain**.

"Some countries use systems which are a mix of multiple systems, machines, ballot papers & processes including private networks. Number of electors in these countries is less than one-fifth of nearly a billion Indian electors," an EC functionary told **TOI**.

Indian EVMs are standalone devices with nil connectivity, which discounts any possibility of a hacker gaining access to its software or the votes recorded in it. It was emphasised that EVMs used in Indian LS and assembly polls have withstood legal scrutiny by SC and are invariably checked and verified by political parties' members at various stages.

दैनिक नवज्योति jaipur city - 12 Apr 2025 - Page 1

ईवीएम में सेंधमारी की जा सकती है: तुलसी गबार्ड
भारत की वोटिंग मशीनें अभेद्य: चुनाव आयोग

विश्वसनीयता पर फिर छिड़ी बहस

एजेंसी/नई दिल्ली। इलेक्ट्रोनिक वोटिंग प्रणाली को लेकर अमेरिका के संघीय खुफिया विभाग की निदेशक तुलसी गबार्ड के एक ताजा वीडियो क्लिप से ईवीएम की विश्वसनीयता पर छिड़ी बहस के बीच भारत के चुनाव आयोग के सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि भारत की वोटिंग मशीनें अभेद्य हैं। गब्बार्ड ने वीडियो में कहा है कि उनके विभाग को ऐसे सबूत मिले हैं, जिससे दिखाता है कि ईवीएम प्रणाली में सेंधमारी की जा सकती है। यहां चुनाव आयोग के सूत्रों ने इस बारे में सम्पर्क किए जाने पर कहा कि हमारी इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एक तरह से कैलकुलेटर जैसी हैं और हैकिंग के प्रति अभेद्य हैं। इनका किसी ऐसे सिस्टम से कोई जुड़ाव नहीं होता कि कोई उस सिस्टम के जरिए इनके डाटा के साथ कोई छेड़छाड़ या उनकी हैकिंग कर सके।

नतीजों में हेरफेर करने के लिए दुरुपयोग का खतरा

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो क्लिप में गबार्ड को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि हमारे पास इस बात के सबूत है कि कैसे ये इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम बहुत लंबे समय से हैकर्स के लिए असुरक्षित रहे हैं और वोटिंग के नतीजों मे हेरफेर करने के लिए इनके दुरुपयोग के खतरे है।

मस्क भी कर चुके विरोध

इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निकट सहयोगी एलॉन मस्क भी ईवीएम प्रणाली की दुर्बलता की बात करते हुए इनके इस्तेमाल की मुखालिफत कर चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट की जांच में भी खरी उतरी: आयोग

आयोग के सूत्रो ने कहा कि भारत ऐसी ईवीएम का उपयोग करता है जो सरल, सही और सटीक कैलकुलेटर की तरह काम करती है और इन्हे इंटरनेट, वाईफाई या इन्फ्रारेड से नहीं जोड़ा जा सकता है। भारत की ईवीएम मशीने उच्चतम न्यायायल द्वारा कराई गई कानूनी जांच मे खरी उतरी है। मतदान शुरु होने से पहले छद्म मतदान (मॉक पोल) के आयोजन जैसे विभिन्न आयोजनो सहित राजनीतिक दलो द्वारा विभिन्न चरणो मे इनकी जांच की जाती है।

पंजाब केसरी
SAT,12 APRIL 2025
EDITION: RAJASTHAN , PAGE NO. 6

निर्वाचन आयोग के सूत्रों का दावा

भारतीय ई.वी.एम. को 'हैक' नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (प.स.): निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने शुक्रवार को इन शंकाओं को खारिज किया कि देश में इस्तेमाल की जाने वाली इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ई.वी.एम.) को हैक किया जा सकता है।

अमरीका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की कथित टिप्पणी का हवाला देते हुए कि उनके कार्यालय ने मतों में हेराफेरी करने के लिए इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली की हैकिंग के सबूत प्राप्त किए हैं, सूत्रों ने कहा कि कुछ देश 'इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम' का उपयोग करते हैं जो इंटरनैट समेत विभिन्न निजी नैटवर्क प्रणालियों, मशीनों और प्रक्रियाओं का मिश्रण है।

सूत्रों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का इस्तेमाल करता है जो 'सरल, सही और सटीक कैलकुलेटर' की तरह काम करती हैं और इन्हें इंटरनैट, वाईफाई या इन्फ्रारैड से नहीं जोड़ा जा सकता।

ये मशीनें उच्चतम न्यायालय द्वारा की गई कानूनी जांच-पड़ताल में खरी उतरी हैं।

मस्क के बाद अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर ने सवाल उठाए

ईवीएम हैक करके नतीजे बदले जा सकते हैं, पेपर बैलेट से वोटिंग हो : तुलसी गबार्ड

एजेंसी | वॉशिंगटन

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर अमेरिका में भी सवाल उठने लगे हैं। अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड ने कहा- 'ईवीएम को आसानी से हैक करके चुनाव नतीजों में हेरफेर की जा सकती है। इसलिए, पूरे अमेरिका में पेपर बैलेट लागू करने की जरूरत है, ताकि मतदाता चुनाव की पारदर्शिता पर भरोसा कर सकें।' उन्होंने यह बात राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मौजूदगी में कही। गबार्ड का यह बयान सोशल मीडिया पर इतनी तेजी से वायरल हुआ कि अमेरिका में चुनाव सुरक्षा पर नई बहस शुरू हो गई। कई यूजर्स ने गाबार्ड का समर्थन किया, वहीं कुछ ने इसे राजनीतिक एजेंडा बताया। शेष | पेज 8

तुलसी गबार्ड

भारत का चुनाव आयोग बोला- हमारी ईवीएम दूसरे देशों से अलग, अब तक 5 करोड़ वीवीपैट से पुष्टि

तुलसी गबार्ड के अमेरिकी ईवीएम पर सवाल उठाने के बाद भारत के चुनाव आयोग ने दावा किया है कि अब तक के मतदान में 5 करोड़ से अधिक वीवीपैट की पुष्टि हो चुकी है, जो ईवीएम के वोटों से मिलान में सही पाई गईं। उम्मीदवारों के सामने इन वीवीपैट पर्चियों का ईवीएम से मिलान किया गया है। यह ईवीएम की विश्वसनीयता का सबसे ठोस प्रमाण है। आयोग के अधिकारी ने हमारी ईवीएम और दूसरे देशों की ईवीएम में ये अंतर बताए...

1. **ऑपरेटिंग सिस्टम** : हमारी ईवीएम में ऑपरेटिंग सिस्टम नहीं है। अमेरिकी मशीन Windows या Linux पर चलती है।
2. **कनेक्टिविटी** : भारत की ईवीएम बिल्कुल ऑफलाइन है। वाई-फाई या ब्लूटूथ नहीं। अमेरिकी मशीनें इंटरनेट से जुड़ी हैं।
3. **प्रोग्रामिंग** : हमारी ईवीएम में एक बार प्रोग्रामिंग के बाद उसे बदला नहीं जा सकता। अमेरिकी मशीन में बदलाव संभव है।
4. **वीवीपैट** : हमारी ईवीएम में बटन दबाने के बाद पुष्टि के लिए पर्ची का प्रिंट आता है। अमेरिकी मशीन में ऐसा नहीं होता।

पत्रिका

कार्यशाला : चुनावी प्रक्रिया में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण

करौली. भारत के चुनाव आयोग ने 9 अप्रेल को नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) में मीडिया नोडल अधिकारियों, सोशल मीडिया नोडल अधिकारियों और जिला जनसंपर्क अधिकारियों के लिए एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया। जिसका उद्देश्य मीडिया के उभरते परिदृश्य में चुनाव अधिकारियों के समन्वय और तैयारी को बढ़ाना था। कार्यक्रम में 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के मीडिया अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर लौटे सूचना एवं जनसंपर्क विभाग करौली में पदस्थापित सहायक निदेशक धर्मेन्द्र मीणा ने बताया कि कार्यक्रम में भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनावी प्रक्रिया में एक प्रमुख हितधारक के रूप में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए डिजिटल रूप से मध्यस्थता वाली सूचना दुनिया में चुनावी प्रक्रियाओं में मतदाताओं के विश्वास को बनाए रखने में तथ्यात्मक, समय पर और पारदर्शी संचार के महत्व पर जोर दिया। इस दौरान सहायक निदेशक सहित देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव एवं विचार प्रस्तुत किए।

12/04/2025 | Sawaimadhopur | Page : 18
Source : https://epaper.patrika.com/

भारत निर्वाचन आयोग के जमीनी स्तर तक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम ने गति पकड़ी

पश्चिम बंगाल के 217 बीएलओ के साथ 2 डीईओ, 12 ईआरओ का नई दिल्ली में प्रशिक्षण आरंभ

न्यूज सर्विस/नवज्योति, सवाई माधोपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने देश भर में जमीनी स्तर तक चुनाव प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों की क्षमता वृद्धि के लिए उन्हें प्रशिक्षित करने के व्यापक अभियान की शुरूआत कर दी है। इस क्रम में आयोग के प्रशिक्षण संस्थान इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम), नई दिल्ली में पश्चिम बंगाल के 231 चुनाव अधिकारियों के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को आरंभ हुआ। बंगाल के 2 जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ), 12 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) और 217 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के साथ शुरू हुई यह पहल जमीनी स्तर के चुनाव अधिकारियों की व्यापक प्रशिक्षण योजना का हिस्सा है. आयोग ने इसकी परिकल्पना 4 मार्च को आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन के दौरान की थी। आयोग ने बुधवार को ही सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के निर्वाचन विभागों के मीडिया नोडल अधिकारियों, सोशल मीडिया नोडल अधिकारियों और जिला जनसंपर्क अधिकारियों के लिए एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम भी आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बदलते मीडिया परिदृश्य में चुनाव अधिकारियों के समन्वय और तैयारियों को बढ़ाना है। राजस्थान के तीन अधिकारियों सहित 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के मीडिया अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतिभागी अधिकारियों को सक्रिय रहकर सही सूचनाओं का प्रसार सुनिश्चित करने, गलत सूचना का मुकाबला करने और विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक प्रभावी संचार रणनीति विकसित करने के बारे में जानकारी दी गई। अधिकारियों को देश के संवैधानिक और कानूनी ढांचे अर्थात यानी जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, मतदाता पंजीकरण नियम 1960; चुनाव संचालन नियम 1961 और समय-समय पर आयोग द्वारा जारी निदेशों के अनुसार कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने चुनावी प्रक्रिया में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में कहा कि डिजिटल सूचनाओं के वर्तमान दौर में चुनावी प्रक्रियाओं में मतदाताओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए जरूरी है कि सही समय पर तथ्यात्मक और पारदर्शी तरीके से सूचनाओं का आदान-प्रदान हो. उन्होंने रेखांकित किया कि मीडिया अधिकारियों को सटीक जानकारी संप्रेषित करने के लिए सक्रिय रहना चाहिए और मतदाताओं को सही ढंग से सूचित करने की चुनौती को स्वीकार करना चाहिए. यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि चुनाव से जुड़ी सभी जानकारियां सुस्पष्ट और तथ्यात्मक हों तथा आधारहीन कथनों को दुरुस्त करने में सक्षम हों।

मतदान पंजीयन के लिए युवाओं को करें जागरूक

निर्वाचन प्रक्रिया में प्राथमिकता पर हो पारदर्शिता : डॉ. जोशी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. भारत निर्वाचन आयोग के चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने शुक्रवार को जोधपुर जिला प्रशासन के साथ निर्वाचन तैयारियों को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से प्रजेंटेशन के माध्यम से मतदाता सूची में सुधार से जुड़ी प्रक्रियाएं, नामांकन, आपत्ति एवं सूची पुनरीक्षण से संबंधित गतिविधियां, जनाधार पंजीकरण की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी, सर्विस वोटर्स के नामांकन की व्यवस्था की जानकारी दी गई। चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने निर्देश दिए कि ईपीआईसी कार्ड निर्माण प्रक्रिया को सरल, त्वरित एवं समयबद्ध बनाया जाएं ताकि मतदाताओं को पहचान पत्र शीघ्र उपलब्ध हो सकें।

निर्वाचन से जुड़ी प्रक्रिया का प्रजेंटेशन देते हुए।

जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश

17 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के पंजीकरण के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने जन्म एवं मृत्यु के अद्यतन रिकॉर्ड्स को निर्वाचन प्रणाली से जोड़कर मतदाता सूची में समय पर आवश्यक संशोधन सुनिश्चित करने की बात कही।

जिले की निर्वाचन संरचना पर चर्चा

जोधपुर जिले में कुल निर्वाचकों की संख्या, 85 वर्ष और 100 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं की स्थिति, साथ ही जिले की 10 विधानसभा क्षेत्रों की भौगोलिक एवं प्रशासनिक जानकारी भी प्रस्तुत की गई। बैठक में संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, राजस्थान निर्वाचन आयोग के ओएसडी सुरेश चंद्र, जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. धीरज कुमार सिंह, एसडीओ उत्तर प्रीतम कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) जवाहर चौधरी, अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) उदयभानु चारण व अन्य मौजूद रहे।

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अख़बार

दैनिक भास्कर

राजस्थान

चुनाव आयुक्त ने ली निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा बैठक

EPIC कार्ड निर्माण प्रक्रिया सरल हो ताकि पहचान पत्र शीघ्र मिले: डॉ. जोशी

सिटी रिपोर्टर | जोधपुर

भारत निर्वाचन आयोग के चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने शुक्रवार को जोधपुर जिला प्रशासन के साथ निर्वाचन तैयारियों को लेकर बैठक ली और निर्वाचन से संबंधित तमाम गतिविधियों और प्रक्रियाओं और कार्यों पर जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से मतदाता सूची में सुधार से जुड़ी प्रक्रियाएं, नामांकन, आपत्ति एवं सूची पुनरीक्षण से संबंधित गतिविधियां, जनाधार पंजीकरण की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी, सर्विस वोटर्स के नामांकन की व्यवस्था, ईपीआइसी कार्ड निर्माण की चरणबद्ध प्रक्रिया, मतदाता सूची की पारदर्शिता, वर्तमान मतदाता सूची की स्थिति, 17 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के पूर्व पंजीकरण की योजना, ईआरओ, डीईओ, सीईओ स्तर पर प्राप्त महत्त्वपूर्ण सुझावों सहित जिले की निर्वाचन से जुड़ी सभी पहलुओं की विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की गई। ईपीआईसी कार्ड शीघ्र उपलब्ध कराने पर जोर

चुनाव आयुक्त डॉ. जोशी ने निर्देश दिए कि ईपीआईसी कार्ड निर्माण प्रक्रिया को सरल, त्वरित एवं समयबद्ध बनाया जाए ताकि मतदाताओं को पहचान पत्र शीघ्र उपलब्ध हो सके। उन्होंने विशेष रूप से इस प्रक्रिया में लगने वाले दिनों की संख्या को कम करने की आवश्यकता जताई, जिससे मतदाता को न्यूनतम समय में कार्ड मिल सके।

जिले की निर्वाचन संरचना पर चर्चा कर दिए निर्देश

जोधपुर जिले में कुल निर्वाचकों की संख्या, 85 वर्ष और 100 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं की स्थिति, साथ ही जिले की 10 विधानसभा क्षेत्रों की भौगोलिक एवं प्रशासनिक जानकारी भी प्रस्तुत की गई। बैठक में संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, राजस्थान निर्वाचन आयोग के ओएसडी सुरेश चंद्र, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. धीरज कुमार सिंह, एसडीओ उत्तर प्रीतम कुमार, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रथम) जवाहर चौधरी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर) उदयभानु चारण, स्थानीय निकाय की उपनिदेशक आकांक्षा बैरवा और एसडीओ (दक्षिण) पंकज जैन सहित जिला निर्वाचन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

युवा मतदाताओं और विशेष वर्गों को मिले प्राथमिकता

चुनाव आयुक्त ने निर्देश दिए कि 17 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के पंजीकरण के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि भविष्य के मतदाता समय रहते पंजीकृत हो सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि घुमंतू जनजातियों को निर्वाचन नामावली में सम्मिलित करने के लिए समर्पित प्रयास किए जाएं, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

सुगम्य पोर्टल नवाचार से जनभागीदारी को नया आयाम

डॉ. जोशी ने जिले में लोकसभा चुनाव के दौरान स्वीप गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि मतदाता जागरूकता के इन कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी एवं जनसंपर्क आधारित बनाया जाए, ताकि आमजन में मतदान को लेकर अधिक से अधिक रुचि उत्पन्न हो सके। डॉ. जोशी ने मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए जोधपुर द्वारा शुरू किए गए 'सुगम्य पोर्टल' को सराहा।

दैनिक जलते दीप

निर्वाचन प्रक्रिया में प्राथमिकता पर हो पारदर्शिता : डॉ. जोशी

चुनाव आयुक्त ने ली निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा बैठक

जोधपुर, 11 अप्रेल (कासं)। भारत निर्वाचन आयोग के चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने शुक्रवार को जोधपुर जिला प्रशासन के साथ निर्वाचन तैयारियों को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक ली और निर्वाचन से संबंधित तमाम गतिविधियों और प्रक्रियाओं और कार्यों पर जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से मतदाता सूची में सुधार से जुड़ी प्रक्रियाएं, नामांकन, आपत्ति एवं सूची पुनरीक्षण से संबंधित गतिविधियां, जनाधार पंजीकरण की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी, सर्विस वोटर्स के नामांकन की व्यवस्था, ईपीआईसी कार्ड निर्माण की चरणबद्ध प्रक्रिया, मतदाता सूची की पारदर्शिता, वर्तमान मतदाता सूची की स्थिति, 17 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के पूर्व पंजीकरण की योजना, ईआरओ/डीईओ/सीईओ स्तर पर प्राप्त महत्त्वपूर्ण सुझावों सहित जिले की निर्वाचन से जुड़ी सभी पहलुओं की विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की गई। चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने निर्देश दिए कि ईपीआईसी कार्ड निर्माण प्रक्रिया को सरल, त्वरित एवं समयबद्ध बनाया जाए ताकि मतदाताओं को पहचान पत्र शीघ्र उपलब्ध हो सकें। उन्होंने विशेष रूप से इस प्रक्रिया में लगने वाले दिनों की संख्या को कम करने की आवश्यकता जताई, जिससे मतदाता को न्यूनतम समय में कार्ड मिल सके। चुनाव आयुक्त ने निर्देश दिए कि 17 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के पंजीकरण के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि भविष्य के मतदाता समय रहते पंजीकृत हो सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि घुमंतू जनजातियों को निर्वाचन नामावली में सम्मिलित करने के लिए समर्पित प्रयास किए जाएं, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही उन्होंने जन्म एवं मृत्यु के अद्यतन रिकॉर्ड्स को निर्वाचन प्रणाली से जोड़कर मतदाता सूची में समय पर आवश्यक संशोधन सुनिश्चित करने की बात कही।

सुगम्य पोर्टल से नया आयाम : डॉ. जोशी ने जिले में लोकसभा चुनाव के दौरान स्वीप गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि मतदाता जागरूकता के इन कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी एवं जनसंपर्क आधारित बनाया जाए, ताकि आमजन में मतदान को लेकर अधिक से अधिक रुचि उत्पन्न हो सके। डॉ. जोशी ने मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए जोधपुर द्वारा शुरू किए गए 'सुगम्य पोर्टल' की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने निर्वाचन कार्यों में लगे कार्मिकों के प्रशिक्षण को व्यावहारिक, गुणवत्तापूर्ण एवं व्यवस्थित बनाने की भी आवश्यकता बताई।

जिले की निर्वाचन संरचना पर चर्चा : बैठक में जोधपुर जिले में कुल निर्वाचकों की संख्या, 85 वर्ष और 100 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं की स्थिति, साथ ही जिले की 10 विधानसभा क्षेत्रों की भौगोलिक एवं प्रशासनिक जानकारी भी प्रस्तुत की गई। चुनाव आयुक्त ने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं सहभागिता को प्राथमिकता देते हुए निर्वाचन प्रबंधन को सुदृढ़ और जनहितकारी बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक के अंत में डॉ. जोशी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप प्रत्येक स्तर पर पारदर्शिता, सटीकता और जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए, जिससे लोकतंत्र का यह महापर्व सुचारु रूप से सम्पन्न हो सके। बैठक में संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, राजस्थान निर्वाचन आयोग के ओएसडी सुरेश चंद्र, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. धीरज कुमार सिंह, एसडीओ उत्तर प्रीतम कुमार, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रथम) जवाहर चौधरी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर) उदयभानु चारण, स्थानीय निकाय की उपनिदेशक आकांक्षा बैरवा और एसडीओ (दक्षिण) पंकज जैन सहित जिला निर्वाचन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक प्रतिनिधि

निर्भीक अभिव्यक्ति, स्वतंत्र चिन्तन, सांस्कृतिक चेतना और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रहरी

*रजि नं. RNI/31113/77 पोस्टल *क्रमांक जोधपुर/130/2024-26 * वर्ष 48 *अंक 221 *जोधपुर शनिवार 12 अप्रैल 2025 *प्रभात * मूल्य दो रुपया

निर्वाचन प्रक्रिया में हो पारदर्शिता-जोशी

जोधपुर (नसं)। भारत निर्वाचन आयोग के चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने शुक्रवार को जोधपुर जिला प्रशासन के साथ निर्वाचन तैयारियों को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक ली और निर्वाचन से संबंधित तमाम गतिविधियों और प्रक्रियाओं और कार्यों पर जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से मतदाता सूची में सुधार से जुड़ी प्रक्रियाएं, नामांकन, आपत्ति एवं सूची पुनरीक्षण से संबंधित गतिविधियां, जनाधार पंजीकरण की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी, सर्विस वोटर्स के नामांकन की व्यवस्था, ईपीआईसी कार्ड निर्माण की चरणबद्ध प्रक्रिया, मतदाता सूची की पारदर्शिता, वर्तमान मतदाता सूची की स्थिति, 17 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के पूर्व पंजीकरण की योजना, ईआरओ/डीईओ/सीईओ स्तर पर प्राप्त महत्त्वपूर्ण सुझावों सहित जिले की निर्वाचन से जुड़ी सभी पहलुओं की विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की गई।

ईपीआईसी कार्ड शीघ्र उपलब्ध कराने पर जोर-चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने निर्देश दिए कि ईपीआईसी कार्ड निर्माण प्रक्रिया को सरल, त्वरित एवं समयबद्ध बनाया जाए ताकि मतदाताओं को पहचान पत्र शीघ्र उपलब्ध हो सकें। उन्होंने विशेष रूप से इस प्रक्रिया में लगने वाले दिनों की संख्या को कम करने की आवश्यकता जताई, जिससे मतदाता को न्यूनतम समय में कार्ड मिल सके।

युवा मतदाताओं और विशेष वर्गों को मिले प्राथमिकता-चुनाव आयुक्त ने निर्देश दिए कि 17 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के पंजीकरण के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि भविष्य के मतदाता समय रहते पंजीकृत हो सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि घुमंतू जनजातियों को निर्वाचन नामावली में सम्मिलित करने के लिए समर्पित प्रयास किए जाएं, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही उन्होंने जन्म एवं मृत्यु के अद्यतन रिकॉर्ड्स को निर्वाचन प्रणाली से जोड़कर मतदाता सूची में समय पर आवश्यक संशोधन सुनिश्चित करने की बात कही।

''सुगम्य पोर्टल' नवाचार से जनभागीदारी को नया आयाम-डॉ. जोशी ने जिले में लोकसभा चुनाव के दौरान स्वीप गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि मतदाता जागरूकता के इन कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी एवं जनसंपर्क आधारित बनाया जाए, ताकि आमजन में मतदान को लेकर अधिक से अधिक रुचि उत्पन्न हो सके। डॉ. जोशी ने मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए जोधपुर द्वारा शुरू किए गए 'सुगम्य पोर्टल' की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने निर्वाचन कार्यों में लगे कार्मिकों के प्रशिक्षण को व्यावहारिक, गुणवत्तापूर्ण एवं व्यवस्थित बनाने की भी आवश्यकता बताई।

वरिष्ठ मतदाताओं का लिया फीडबैक-बैठक में जोधपुर जिले में कुल निर्वाचकों की संख्या, 85 वर्ष और 100 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं की स्थिति, साथ ही जिले की 10 विधानसभा क्षेत्रों की भौगोलिक एवं प्रशासनिक जानकारी भी प्रस्तुत की गई। चुनाव आयुक्त ने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं सहभागिता को प्राथमिकता देते हुए निर्वाचन प्रबंधन को सुदृढ़ और जनहितकारी बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक के अंत में डॉ. जोशी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप प्रत्येक स्तर पर पारदर्शिता, सटीकता और जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए, जिससे लोकतंत्र का यह महापर्व सुचारु रूप से सम्पन्न हो सके।

इनकी रही मौजूदगी-बैठक में संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, राजस्थान निर्वाचन आयोग के ओएसडी सुरेश चंद, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. धीरज कुमार सिंह, एसडीओ उत्तर श्री प्रीतम कुमार, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रथम) जवाहर चौधरी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर) श्री उदयभानु चारण, स्थानीय निकाय की उपनिदेशक श्रीमती आकांक्षा बैरवा और एसडीओ (दक्षिण) पंकज जैन सहित जिला निर्वाचन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

हुक्मनामा समाचार

निर्वाचन प्रक्रिया में प्राथमिकता पर हो पारदर्शिता : डॉ. जोशी

चुनाव आयुक्त ने ली निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा बैठक

हुक्मनामा समाचार

जोधपुर। भारत निर्वाचन आयोग के चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने शुक्रवार को जोधपुर जिला प्रशासन के साथ निर्वाचन तैयारियों को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक ली और निर्वाचन से संबंधित तमाम गतिविधियों और प्रक्रियाओं और कार्यों पर जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से मतदाता सूची में सुधार से जुड़ी प्रक्रियाएं, नामांकन, आपत्ति एवं सूची पुनरीक्षण से संबंधित गतिविधियां, जनाधार पंजीकरण की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी, सर्विस वोटर्स के नामांकन की व्यवस्था, ईपीआईसी कार्ड निर्माण की चरणबद्ध प्रक्रिया, मतदाता सूची की पारदर्शिता, वर्तमान मतदाता सूची की स्थिति, 17 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के पूर्व पंजीकरण की योजना, ईआरओ/डीईओ/सीईओ स्तर पर प्राप्त महत्त्वपूर्ण सुझावों सहित जिले की निर्वाचन से जुड़ी सभी पहलुओं की विस्तार से जानकारी प्रस्तुत

की गई। चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने निर्देश दिए कि ईपीआईसी कार्ड निर्माण प्रक्रिया को सरल, त्वरित एवं समयबद्ध बनाया जाए ताकि मतदाताओं को पहचान पत्र शीघ्र उपलब्ध हो सकें। उन्होंने विशेष रूप से इस प्रक्रिया में लगने वाले दिनों की संख्या को कम करने की आवश्यकता जताई, जिससे मतदाता को न्यूनतम समय में कार्ड मिल सके। चुनाव आयुक्त ने निर्देश दिए कि 17 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के पंजीकरण के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि भविष्य के मतदाता समय रहते पंजीकृत हो सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि घुमंतू जनजातियों को निर्वाचन नामावली में सम्मिलित करने के लिए समर्पित प्रयास किए जाएं, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही उन्होंने जन्म एवं मृत्यु के अद्यतन रिकॉर्ड्स को निर्वाचन प्रणाली से जोडकर मतदाता सूची में समय पर आवश्यक संशोधन सुनिश्चित करने की बात कही।

सुगम्य पोर्टल से नया आयाम

डॉ. जोशी ने जिले में लोकसभा चुनाव के दौरान स्वीप गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि मतदाता जागरूकता के इन कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी एवं जनसंपर्क आधारित बनाया जाए, ताकि आमजन में मतदान को लेकर अधिक से अधिक रुचि उत्पन्न हो सके। डॉ. जोशी ने मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए जोधपुर द्वारा शुरू किए गए 'सुगम्य पोर्टल' की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने निर्वाचन कार्यों में लगे कार्मिकों के प्रशिक्षण को व्यावहारिक, गुणवत्तापूर्ण एवं व्यवस्थित बनाने की भी आवश्यकता बताई।

जिले की निर्वाचन संरचना पर चर्चा : बैठक में जोधपुर जिले में कुल निर्वाचकों की संख्या, 85 वर्ष और 100 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं की स्थिति, साथ ही जिले की 10 विधानसभा क्षेत्रों की भौगोलिक एवं प्रशासनिक जानकारी भी प्रस्तुत की गई। चुनाव आयुक्त ने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं सहभागिता को प्राथमिकता देते हुए निर्वाचन प्रबंधन को सुदृढ़ और जनहितकारी बनाए रखने के निर्देश दिए।

बैठक के अंत में डॉ. जोशी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप प्रत्येक स्तर पर पारदर्शिता, सटीकता और जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए, जिससे लोकतंत्र का यह महापर्व सुचारु रूप से सम्पन्न हो सके। बैठक में संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, राजस्थान निर्वाचन आयोग के ओएसडी सुरेश चंद्र, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. धीरज कुमार सिंह, एसडीओ उत्तर प्रीतम कुमार, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रथम) जवाहर चौधरी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर) उदयभानु चारण, स्थानीय निकाय की उपनिदेशक आकांक्षा बैरवा और एसडीओ (दक्षिण) पंकज जैन सहित जिला निर्वाचन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

निर्वाचन प्रक्रिया में प्राथमिकता पर हो पारदर्शिता: डॉ. जोशी

चुनाव आयुक्त ने ली निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा बैठक

विश्वास एक्सप्रेस

जोधपुर। भारत निर्वाचन आयोग के चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने शुक्रवार को जोधपुर जिला प्रशासन के साथ निर्वाचन तैयारियों को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक ली और निर्वाचन से संबंधित तमाम गतिविधियों और प्रक्रियाओं और कार्यों पर जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से मतदाता सूची में सुधार से जुड़ी प्रक्रियाएं, नामांकन, आपत्ति एवं सूची पुनरीक्षण से संबंधित गतिविधियां, जनाधार पंजीकरण की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी, सर्विस वोटर्स के नामांकन की व्यवस्था, ईपीआईसी कार्ड निर्माण की चरणबद्ध प्रक्रिया, मतदाता सूची की पारदर्शिता, वर्तमान मतदाता सूची की स्थिति, 17 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के पूर्व पंजीकरण की योजना, ईआरओ/डीईओ/सीईओ स्तर पर प्राप्त महत्त्वपूर्ण सुझावों सहित जिले की निर्वाचन से जुड़ी सभी पहलुओं की विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की गई। चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने निर्देश दिए कि ईपीआईसी कार्ड निर्माण प्रक्रिया को सरल, त्वरित एवं समयबद्ध बनाया जाए ताकि मतदाताओं को पहचान पत्र शीघ्र उपलब्ध हो सकें। उन्होंने विशेष रूप से इस प्रक्रिया में लगने वाले दिनों की संख्या को कम करने की आवश्यकता जताई, जिससे मतदाता को न्यूनतम समय में कार्ड मिल सके। चुनाव आयुक्त ने निर्देश दिए कि 17 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के पंजीकरण के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि भविष्य के मतदाता समय रहते पंजीकृत हो सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि घुमंतू जनजातियों को निर्वाचन नामावली में सम्मिलित करने के लिए समर्पित प्रयास किए जाएं, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही उन्होंने जन्म एवं मृत्यु के अद्यतन रिकॉर्ड्स को निर्वाचन प्रणाली से जोड़कर मतदाता सूची में समय पर आवश्यक संशोधन सुनिश्चित करने की बात कही।

सुगम्य पोर्टल से नया आयाम

डॉ. जोशी ने जिले में लोकसभा चुनाव के दौरान स्वीप गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि मतदाता जागरूकता के इन कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी एवं जनसंपर्क आधारित बनाया जाए, ताकि आमजन में मतदान को लेकर अधिक से अधिक रुचि उत्पन्न हो सके। डॉ. जोशी ने मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए जोधपुर द्वारा शुरू किए गए 'सुगम्य पोर्टल' की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने निर्वाचन कार्यों में लगे कार्मिकों के प्रशिक्षण को व्यावहारिक, गुणवत्तापूर्ण एवं व्यवस्थित बनाने की भी आवश्यकता बताई।

जिले की निर्वाचन संरचना पर चर्चा

बैठक में जोधपुर जिले में कुल निर्वाचकों की संख्या, 85 वर्ष और 100 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं की स्थिति, साथ ही जिले की 10 विधानसभा क्षेत्रों की भौगोलिक एवं प्रशासनिक जानकारी भी प्रस्तुत की गई। चुनाव आयुक्त ने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं सहभागिता को प्राथमिकता देते हुए निर्वाचन प्रबंधन को सुदृढ़ और जनहितकारी बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक के अंत में डॉ. जोशी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप प्रत्येक स्तर पर पारदर्शिता, सटीकता और जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए, जिससे लोकतंत्र का यह महापर्व सुचारु रूप से सम्पन्न हो सके। बैठक में संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, राजस्थान निर्वाचन आयोग के ओएसडी सुरेश चंद्र, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. धीरज कुमार सिंह, एसडीओ उत्तर प्रीतम कुमार, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रथम) जवाहर चौधरी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर) उदयभानु चारण, स्थानीय निकाय की उपनिदेशक आकांक्षा बैरवा और एसडीओ (दक्षिण) पंकज जैन सहित जिला निर्वाचन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

निर्वाचन प्रक्रिया में प्राथमिकता पर हो पारदर्शिता और बेहतरी: डॉ. जोशी

चुनाव आयुक्त ने ली निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा बैठक, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

दैनिक पर्यटन बाजार

जोधपुर। भारत निर्वाचन आयोग के चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने शुक्रवार को जोधपुर जिला प्रशासन के साथ निर्वाचन तैयारियों को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक ली और निर्वाचन से संबंधित तमाम गतिविधियों और प्रक्रियाओं और कार्यों पर जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से मतदाता सूची में सुधार से जुड़ी प्रक्रियाएं, नामांकन, आपत्ति एवं सूची पुनरीक्षण से संबंधित गतिविधियां, जनाधार पंजीकरण की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी, सर्विस वोटर्स के नामांकन की व्यवस्था, ईपीआईसी कार्ड निर्माण की चरणबद्ध प्रक्रिया, मतदाता सूची की पारदर्शिता, वर्तमान मतदाता सूची की स्थिति, 17 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के पूर्व पंजीकरण की योजना, ईआरओ/डीईओ/सीईओ स्तर पर प्राप्त महत्त्वपूर्ण सुझावों सहित जिले की निर्वाचन से जुड़ी सभी पहलुओं की विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की गई।

युवा मतदाताओं और विशेष वर्गों को मिले प्राथमिकता

चुनाव आयुक्त ने निर्देश दिए कि 17 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के पंजीकरण के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि भविष्य के मतदाता समय रहते पंजीकृत हो सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि घुमंतू जनजातियों को निर्वाचन नामावली में सम्मिलित करने के लिए समर्पित प्रयास किए जाएं, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही उन्होंने जन्म एवं मृत्यु के अद्यतन रिकॉर्ड्स को निर्वाचन प्रणाली से जोड़कर मतदाता सूची में समय पर आवश्यक संशोधन सुनिश्चित करने की बात कही।

ईपीआईसी कार्ड शीघ्र उपलब्ध कराने पर ज़ोर: चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने निर्देश दिए कि ईपीआईसी कार्ड निर्माण प्रक्रिया को सरल, त्वरित एवं समयबद्ध बनाया जाए ताकि मतदाताओं को पहचान पत्र शीघ्र उपलब्ध हो सकें। उन्होंने विशेष रूप से इस प्रक्रिया में लगने वाले दिनों की संख्या को कम करने की आवश्यकता जताई, जिससे मतदाता को न्यूनतम समय में कार्ड मिल सके।

जिले की निर्वाचन संरचना पर चर्चा: बैठक में जोधपुर जिले में कुल निर्वाचकों की संख्या, 85 वर्ष और 100 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं की स्थिति, साथ ही जिले की 10 विधानसभा क्षेत्रों की भौगोलिक एवं प्रशासनिक जानकारी भी प्रस्तुत की गई। चुनाव आयुक्त ने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं सहभागिता को प्राथमिकता देते हुए निर्वाचन प्रबंधन को सुदृढ़ और जनहितकारी बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक के अंत में डॉ. जोशी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप प्रत्येक स्तर पर पारदर्शिता, सटीकता और जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए, जिससे लोकतंत्र का यह महापर्व सुचारु रूप से सम्पन्न हो सके।

वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी: इस उच्चस्तरीय बैठक में संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, राजस्थान निर्वाचन आयोग के ओएसडी सुरेश चंद्र, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. धीरज कुमार सिंह, एसडीओ उत्तर प्रीतम कुमार, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रथम) जवाहर चौधरी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर) उदयभानु चारण, स्थानीय निकाय की उपनिदेशक श्रीमती आकांक्षा बैरवा और एसडीओ (दक्षिण) पंकज जैन सहित जिला निर्वाचन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

निर्वाचन प्रक्रिया में प्राथमिकता पर हो पारदर्शिताः डॉ. जोशी

चुनाव आयुक्त ने ली निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा बैठक

• सत्य चेतना

जोधपुर। भारत निर्वाचन आयोग के चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने शुक्रवार को जोधपुर जिला प्रशासन के साथ निर्वाचन तैयारियों को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक ली और निर्वाचन से संबंधित तमाम गतिविधियों और प्रक्रियाओं और कार्यों पर जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से मतदाता सूची में सुधार से जुड़ी प्रक्रियाएं, नामांकन, आपत्ति एवं सूची पुनरीक्षण से संबंधित गतिविधियां, जनाधार पंजीकरण की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी, सर्विस वोटर्स के नामांकन की व्यवस्था, ईपीआईसी कार्ड निर्माण की चरणबद्ध प्रक्रिया, मतदाता सूची की पारदर्शिता, वर्तमान मतदाता सूची की स्थिति, 17 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के पूर्व पंजीकरण की योजना, ईआरओ/डीईओ/सीईओ स्तर पर प्राप्त महत्वपूर्ण सुझावों सहित जिले की निर्वाचन से जुड़ी सभी पहलुओं की विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की गई। चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने निर्देश दिए कि ईपीआईसी कार्ड निर्माण प्रक्रिया को सरल, त्वरित एवं समयबद्ध बनाया जाए ताकि मतदाताओं को पहचान पत्र शीघ्र उपलब्ध हो सकें। उन्होंने विशेष रूप से इस प्रक्रिया में लगने वाले दिनों की संख्या को कम करने की आवश्यकता जताई, जिससे मतदाता को न्यूनतम समय में कार्ड मिल सके। चुनाव आयुक्त ने निर्देश दिए कि 17 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के पंजीकरण के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि भविष्य के मतदाता समय रहते पंजीकृत हो सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि घुमंतू जनजातियों को निर्वाचन नामावली में सम्मिलित करने के लिए समर्पित प्रयास किए जाएं, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही उन्होंने जन्म एवं मृत्यु के अद्यतन रिकॉर्ड्स को निर्वाचन प्रणाली से जोड़कर मतदाता सूची में समय पर आवश्यक संशोधन सुनिश्चित करने की बात कही।

सुगम्य पोर्टल से नया आयाम : डॉ. जोशी ने जिले में लोकसभा चुनाव के दौरान स्वीप गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि मतदाता जागरूकता के इन कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी एवं जनसंपर्क आधारित बनाया जाए, ताकि आमजन में मतदान को लेकर अधिक से अधिक रुचि उत्पन्न हो सके। डॉ. जोशी ने मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए जोधपुर द्वारा शुरू किए गए 'सुगम्य पोर्टल' की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने निर्वाचन कार्यों में लगे कार्मिकों के प्रशिक्षण को व्यावहारिक, गुणवत्तापूर्ण एवं व्यवस्थित बनाने की भी आवश्यकता बताई।

जिले की निर्वाचन संरचना पर चर्चा : बैठक में जोधपुर जिले में कुल निर्वाचकों की संख्या, 85 वर्ष और 100 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं की स्थिति, साथ ही जिले की 10 विधानसभा क्षेत्रों की भौगोलिक एवं प्रशासनिक जानकारी भी प्रस्तुत की गई। चुनाव आयुक्त ने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं सहभागिता को प्राथमिकता देते हुए निर्वाचन प्रबंधन को सुदृढ़ और जनहितकारी बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक के अंत में डॉ. जोशी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप प्रत्येक स्तर पर पारदर्शिता, सटीकता और जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए, जिससे लोकतंत्र का यह महापर्व सुचारु रूप से सम्पन्न हो सके। बैठक में संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, राजस्थान निर्वाचन आयोग के ओएसडी सुरेश चंद, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. धीरज कुमार सिंह, एसडीओ उत्तर प्रीतम कुमार, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रथम) जवाहर चौधरी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर) उदयभानु चारण, स्थानीय निकाय की उपनिदेशक आकांक्षा बैरवा और एसडीओ (दक्षिण) पंकज जैन सहित जिला निर्वाचन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।